VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1408)

Name of Candidate	ANKIT KUMAR JAIN		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	649298
Center	JAIPUR	Date	3 Dec.'20

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH**
3. **All questions are compulsory.**
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Rural health care in India faces significant challenges. Elaborate. What can be done to deal with these challenges? (150 words) 10

संयुक्त राष्ट्र के द्वारा घोषित 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) मे से तीसरा लक्ष्य नागरिको को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने से है जिसे 2030 तक प्राप्त किया जाना है। इस पर भारत सरकार ने भी सहमति प्रकट करते हुए इस दिशा मे कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

भारत के नागरिको को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने हेतु ग्रामीण क्षेत्रो मे स्वास्थ्यगत आधारभूत ढांचे का होना आवश्यक है क्योंकि यहां दो तिहाई (2/3rd) जनसंख्या ग्रामीण है।

ग्रामीण स्वास्थ्य के समक्ष चुनौतियाँ:

1. कमजोर आधारभूत ढांचे का होना
   - → भौगोलिक समस्याएँ
   - → न्यून निवेश
   - → उपेक्षागत दृष्टिकोण
2. जनता की स्वास्थ्य सुविधाओ तक पहुंच का अभाव होना।
3. ग्रामीण क्षेत्र के रहवासियों की कम आय का होना।
4. प्रोफेशनल्स की कमी होना। (80% डॉक्टर्स की कमी)
5. स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता मे कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत मे प्रचलित स्वास्थ्य ढांचा 'हब एंड स्पोक मॉडल' पर आधारित है।

<u>उपाय</u>

→ सरकारी निवेश मे बढ़ोत्तरी (GDP का न्यूनतम 4-5%) हो जिससे आधारभूत संरचना का विकास हो सके व सुविधाओ तक पहुँच बढ़े।

→ निजी चिकित्सा निवेश को भी ग्रामीण क्षेत्रों मे प्रोत्साहन दिया जाए व उनका विनियमन सुनिश्चित किया जाए

→ सरकारी योजनाएँ जैसे - प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, आयुष्मान भारत आदि का सत्तीकरण करते हुए इनके दायरे को व्यापक बनाया जाए तथा उचित प्रचार प्रसार किया जाए।

→ ग्रामीण क्षेत्र के ही युवाओ को चिकित्सा शास्त्र अथवा अन्य चिकित्सा पद्धतियो (आयुर्वेद, योग, यूनानी, होम्योपैथी, सिद्धा) मे प्रशिक्षण देकर रोजगार हेतु प्रोत्साहन दिया जाए।

"भारत की आत्मा गाँवो मे बसती है"
- महात्मा गाँधी का यह कथन भारत को मजबूत बनाने हेतु बेहतर चिकित्सकीय सुविधाओ को विकसित करने पर ही प्राप्त होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Provide a critical evaluation of the impact of globalization on the position of women in India. (150 words) 10

वैश्वीकरण भौगोलिक पुनर्विन्यास की ऐसी घटना है जिसमे आर्थिक तथा सामाजिक परिवेश को दो देशो /प्रदेशो की सीमाओ मे न बांधा जा सके।

1991 के राव-मनमोहन मॉडल के अपनाने के साथ ही भारतीय समाज मे आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्रो पर भी प्रत्यक्ष प्रभाव पड़े। विशेषकर महिलाओ के सम्बन्ध मे समाज-सरकार-परिवार का दृष्टिकोण व्यापक हुआ साथ ही उपयोगितावादी दृष्टिकोण विकसित हुआ।

सकारात्मक प्रभाव

① 1995 मे बीजिंग कन्वेंशन हुआ तथा महिला अधिकारो पर प्रमुखता से अन्तर्राष्ट्रीय विमर्श प्रारंभ हुआ जिसके परिणामस्वरूप 1997 मे महिला नीति तथा उत्तरोत्तर 2017 मे महिला सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय मिशन प्रारंभ हुआ।

② संपर्क/गतिशीलता (सूचनाओ की) बढ़ने से दहेज, घरेलू हिंसा कार्यस्थल पर भेदभाव, ईव टीजिंग आदि घटनाओ का विरोधी स्वर बुलंद हुआ जो MeToo जैसे आंदोलनो मे तब्दील हुआ।

③ शिक्षा स्वास्थ्य मे महिलाओ की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

④ महिलाओ की राजकीय तथा निजी सेवाओ मे भागीदारी बढ़ना

⑤ महिला उद्यमिता का बढ़ना (हाल ही मे नीति आयोग द्वारा महिला उद्यमिता पुरस्कार की शुरुआत)

⑥ राजनीतिक सशक्तिकरण मे वृद्धि (वर्तमान लोकसभा मे सर्वाधिक 14%)

⑦ महिलाओ की सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता मे वृद्धि

⑧ सामाजिक-धार्मिक मान्यताओ मे बदलाव जिससे उचित वृद्धि के अवसर समाज मे प्राप्त होना।

नकारात्मक ① असुरक्षा की भावना

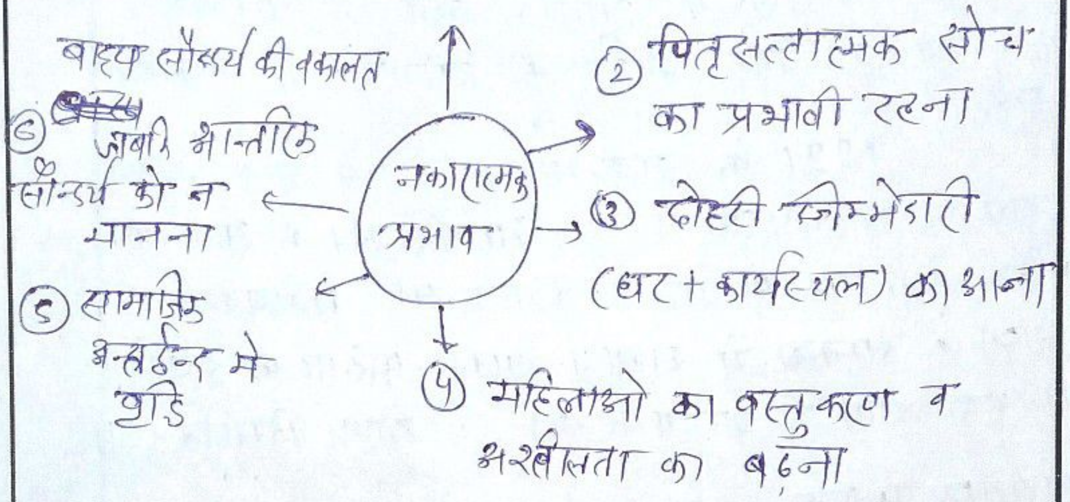

वैश्वीकरण ने एक ओर जहा भारतीय महिलाओ के लिए अपने चतुर्मुखी विकास (भौतिक, शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक) के आयाम तो खोले ही है, नई-नई चुनौतियाँ भी पैदा की है। अब समय आ गया है जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं महिलाएँ संगठित होकर महिलाओ की सम्मानजनक भूमिका स्वीकार करते हुए उनके लिए राजनीतिक, आर्थिक सामाजिक विकास तथा उनकी जीवन संभावनाओ मे वृद्धि हो सके, तभी भारत का संपूर्ण समावेशी विकास सुनिश्चित हो सकेगा क्योंकि समाज व देश-दुनियाँ हजारो ऐसे कार्य है जो सिर्फ महिलाएँ ही करती है अथवा पुरूषो से कई गुना बेहतर कर सकती है

3. It has been argued that private sector reduces education to the status of a commodity. In this context, discuss why education should be seen as a necessary public good. **(150 words) 10**

भारतीय संविधान मे 'शिक्षा' को समवर्ती सूची का विषय मानते हुए अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा सम्बन्धी अनेको प्रावधान किए गए है।

वर्तमान मे शिक्षा : निजी या सार्वजनिक

→ शिक्षा क्षेत्र मे शिक्षा को निजी रूप से प्रदान करने की अनुमति है।

→ अनिवार्य रूप से राज्य को शिक्षा हेतु सभी वर्गों के लिए भी सार्वजनिक शिक्षा का प्रावधान किया है (RTE Act, 2009)

→ तुलनात्मक रूप से, शिक्षा का अन्तराल निजी व सार्वजनिक मे बड़ा है।

→ ASER की हालियाँ 2018-19 की Report मे निजी शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी अधिक बेहतर रूप से प्रदर्शन कर रहे है बजाय सरकारी विद्यालय के

→ हालांकि सार्वजनिक शिक्षा को तुलनात्मक रूप से कुछ सुधार (जैसे - शाला गुणवत्ता कार्यक्रम) और बेहतर करने का प्रयास किया गया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शिक्षा : सार्वजनिक वस्तु के रूप मे :

→ शिक्षा समाज के विकास का मूलाधार है जो सभी का मूलाधिकार व मानवाधिकार है

→ सार्वजनिक शिक्षा समानता को जन्म देती है

→ सार्वजनिक रूप से शिक्षा को प्रदान करना सभी के प्रति सुग्राह्यता मे वृद्धि करता है

→ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी शिक्षा को प्राप्त कर सकता है।

→ शिक्षा के माध्यम से समान मूल्यो को विकसित किया जा सकता है

→ सामाजिक समरसता मे वृद्धि करता है

→ सामाजिक दायित्व बोध मे वृद्धि।

→ राजनैतिक उत्तरदायित्व मे वृद्धि।

अत: आवश्यक है कि समाज के चतुर्मुखी विकास हेतु शिक्षा एक सार्वजनिक वस्तु के रूप मे समाज मे प्रदान की जाए जिससे समान तथा मूल्यो पर आधारित शिक्षा प्राप्त हो सके; साथ ही समय की माँग के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था विकसित की जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Despite undertaking many initiatives, malnutrition continues to be a matter of concern for India. Analyse. (150 words) 10

हाल ही मे सरकार के द्वारा राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत की गई है जो कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, परिवार एवं स्वास्थ्य मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के सामूहिक रूप से संचालित किया जा रहा है

कुपोषण के कारण :

1. व्याप्त गरीबी तथा असमानता
2. जागरूकता का अभाव < पोषण सम्बन्धी / स्वास्थ्य सम्बन्धी
3. उचित संसाधनो का अभाव
4. टीकाकरण तथा स्वास्थ्य सुविधाओ का अभाव विशेषकर आदिवासी तथा ग्राम क्षेत्रो में।
5. टीकाकरण से भय अथवा दुष्प्रचार से प्रभावित होना
6. धार्मिक ~~[illegible]~~ कुरीतियाँ
7. सांस्कृतिक कारण जैसे - फैशन अथवा पतलापन आदि।
8. बाल विवाह

प्रभाव :

1. कुपोषित बच्चे उत्पन्न होना
2. श्रम की उत्पादकता मे कमी होना
3. आर्थिक लाभ के बजाय आर्थिक भार पड़ना
4. स्वास्थ्य संबंधी खर्च मे वृद्धि ।
5. सामाजिक तनाव तथा अन्तर्द्वन्द मे वृद्धि ।
6. पारिवारिक समस्याओ मे वृद्धि ।

सुझाव :

1. 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' तथा 'इन्द्रधनुष' जैसी योजनाओ को प्रभावी रूप से संचालित करना
2. योजनाओ का फीडबैक लेकर आवश्यक सुधार करना
3. निरंतर इस सम्बन्ध मे रिसर्च व डेवलपमेन्ट को बढ़ावा देना
4. फोर्टिफाइड फूड व मिड डे मिल स्कीम का दायरा बढ़ाना

∴ किसी भी समाज के लिए आवश्यक है कि वहाँ की जनता खुशहाल हो जोकि स्वस्थ शरीर से ही हो सकती है अत: कुपोषण मुक्त भारत के अभियान की सफलता जरूरी है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Critically discuss the idea that followers of a religion share not only a community of religious interests but also common secular interests.
(150 words) 10

भारत भूमि सदैव से ही विभिन्न विचारो, मतो अथवा धर्मों के संरक्षण तथा पल्लवन के लिए प्रसिद्ध रही है और यही कारण है कि विभिन्न धर्मावलंबियो मे कटुता के साथ-साथ साझा हित भी उत्पन्न हुए हो।

किसी भी समुदाय अथवा ग्रुप के लिए निम्न साझा हित हो सकते है -

1. 'पहचान की राजनीति' - इसमे समुदाय अपने प्रतीक अथवा मत को प्रदर्शित करने का प्रयास करता है
2. सामाजिक - आर्थिक तथा राजनैतिक हितो मे एकरूपता। जैसे - मुस्लिम समुदाय मे शिक्षा की कमी, हिन्दु समुदाय मे भेदभाव (जातिप्रथा की समस्या) आदि।
3. अपने समुदाय के हितो की रक्षा हेतु राष्ट्रीयता का भी विरोध कर देना
4.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि वर्तमान के दौर मे इस प्रकार की प्रवृत्ति कमजोर हुई है जिसके कारण इस प्रकार है –

1. वैश्वीकरण का प्रभाव
2. सूचना माध्यमो का प्रभाव
3. शिक्षा से बढ़ती जागरूकता व तार्किकता।
4. राष्ट्रीय प्रेम मे वृद्धि।
5. सामाजिक समरसता मे वृद्धि होना
6. एक-दूसरे के आर्थिक हितो मे पूरकता का बढ़ना।

साथ ही कुछ चुनौतियां भी उत्पन्न हुई है जिससे पुन: इसमे वृद्धि की है जैसे – फेक-न्यूज तथा साम्प्रदायिक आधारित मैसेज अथवा विडियोज का फैलाना आदि। इन कारणो से एक ओर कानून व्यवस्था पर खतरा तो उत्पन्न होता ही है समाज को बांटने वाली दरार और अधिक गहरी हो जाती है।

6. The constant and aggravated contact with the Western culture has had an erosional impact on the Indian value system. Critically discuss.

(150 words) 10

वैश्वीकरण के दौर मे जहाँ पूरा विश्व एक 'ग्लोबल विलेज' की अवधारणा मे सिमटता जा रहा है तो स्वाभाविक है कि भारतीय संस्कृति व पाश्चात्य संस्कृति एक दूसरे के संपर्क मे आई हो।

प्रभाव (नकारात्मक)

1. पाश्चात्यवादी संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है 'व्यक्तिवाद' जो कि आज भारतीय समाज मे भी तेजी से बढ़ रहा है। इसका नकारात्मक पहलू यह है कि मनुष्य मे स्वार्थी प्रवृत्ति बढ़ रही है जबकि भारतीय संस्कृति समाजमूलक है।

2. उपभोक्तावाद (Consumerism) का तेजी से होता प्रसार अपव्यय की संस्कृति को बढ़ा रहा है। इससे संसाधनो का अनुचित तथा असतत दोहन हो रहा है जिससे कई समस्याएँ प्रदूषण, बीमारियाँ, पर्यावरण परिवर्तन आदि घटनाएँ घटित हो रही है।

3. बढ़ते तकनीकी प्रभाव के दुरुपयोग ने सामाजिक तनाव मे वृद्धि की है जैसे इंटरनेट आदि से उत्पन्न साइबर अपराध तो सोशल मीडिया से उत्पन्न अनैतिक व अभद्र टिप्पणी गत अपराध।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. पाश्चात्यसंस्कृति के प्रभाव से भारतीय जीवनमूल्यो मे गिरावट हुई है। साथ ही कई ऐसे मानक जैसे - संयुक्त परिवार का विघटन, बुढ़ो को घर से निष्कासित करना, अपराधिक संस्कृति का बढ़ना, पोर्नोग्राफिक अपराध का बढ़ना आदि ने सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचाया है।

इन नुकसानो के साथ ही पाश्चात्य संस्कृति ने कई अच्छे प्रभाव भी भारत मे पैदा किए है जैसे महिला सशक्तिकरण व उनका सम्मान; उन्हे जीविकोपार्जन मे भागीदार बनाना, स्वतन्त्रता-समानता व बन्धुत्व की भावना संवैधानिक मूल्यो का विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आर्थिक उदारवाद, निजीकरण, CSR जैसे विभिन्न मूल्य भारत मे आए है।

संस्कृति निरन्तर बदलने वाली प्रक्रिया का नाम है। अतः आवश्यक है कि अच्छे गुणो को भारतीय संस्कृति आत्मसात करे जबकि दुर्गुणो को अस्वीकार करे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. A dispersed pattern of urbanisation leads to sprawl with associated problems. In this context, discuss how India should manage the inevitable process of urban growth going into the future. (150 words) 10

महात्मा गाँधी ने कहा था - "भारत की आत्मा गाँवो मे बसती है।" मगर वर्तमान मे शहरी दौड़ देखने पर पता चलता है कि गाँव की आत्मा शहरीकरण के दौर मे शहर की ओर निकल रही है।

शहरीकरण वैसे तो समाज के उत्थान के हर दौर मे दिखाई पड़ता है। विश्व की पहली विकसित नगरीय सभ्यता का गौरव भी भारत को ही प्राप्त है। (सिन्धु घाटी सभ्यता) मगर वर्तमान मे शहरीकरण शब्द ~~अब~~ एक कठोर नकारात्मकता का प्रतीक बन चुका है। किसी भी समाज की गतिशीलता (Mobility) वहाँ के विकास के मापदण्ड का एक पैमाना है मगर जब ~~यही~~ Mobility शहरो मे स्थायित्व का भाव पैदा कर दे तथा गाँवो को उजाड़ कर दे तो चिंता उत्पन्न करता है।

शहरीकरण का मुख्य कारण है गाँवो मे ~~अधिक~~ मानवोचित सुख सुविधाओ का अभाव। जब गाँवो मे अर्थोपार्जन के अवसर नही होंगे, शिक्षा प्राप्त करने हेतु विद्यालय - महाविद्यालय नही होंगे, चिकित्सकीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुविधाएँ नही होगी तो आधुनिकता के परिवेश मे घिरे हुए चकाचौंध से युक्त शहरो मे कौन नही जाना चाहेगा।

शहरीकरण की समस्या के संदर्भ मे शहरो का उचित विकास होना आवश्यक है। इस हेतु शहरी परिधि के आस-पास के क्षेत्र मे उचित प्लानिंग व सुविधाओ का विकास करना आवश्यक है। ट्रैफिक तथा पार्किंग की समस्या से निपटने हेतु भविष्य को ध्यान मे रखकर निर्माण होना चाहिए। पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आस वृक्षारोपण व शहरी वन जैसी गतिविधियाँ विकसित करनी चाहिए ताकि शहरी नागरिको को स्वस्थ जीवन शैली प्रदान कर सके। अवैध कब्जे तथा शहर मे स्थित जल निकास के मार्गों का उचित प्रबंधन व देखरेख करनी चाहिए।

इन सबसे बेहतर यही है कि गांवो का संरक्षण किया जाए तथा छोटे-छोटे ग्राम-नगर का विकास किया जाए जहाँ शहरी जीवन के अनुरूप सुविधाएँ हो ताकि शहरो पर बढ़ते आबादी के बोझ को कम किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs) are in dire need of focused attention in view of the problems they are facing. Discuss. **(150 words) 10**

PVTG समुदाय से तात्पर्य ऐसे समुदाय से है जो आज भी आदिम परंपराओ का अनुसरण करते है तथा समाज की मुख्यधारा मे या शामिल नही है अथवा समुचित रूप मे नही है।

भारत सरकार द्वारा ऐसे 75 समुदायों को PVTG का दर्जा दिया है तथा इनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान व संस्कृति संरक्षण हेतु विशेष प्रयास प्रारंभ किए है।

PVTG की समस्याएँ

1. PVTG समुदायो की जनसंख्या निरंतर कम हो रही है जिससे इनके अस्तित्व को बचाने की चुनौती खड़ी है।
2. शिक्षा के क्षेत्र मे इनकी अत्यंत अल्प भागीदारी है जिस कारण सामाजिक विकास के अवसर तथा आर्थिक वृद्धि के अवसर प्राप्त नही हो रहे है।
3. सरकारी योजनाओं तक पहुंच का अभाव होने के कारण इन्हे लाभ प्राप्त नही हो रहा है इसका कारण एक ओर जहाँ इनके घने दुर्गम क्षेत्रो मे आवास है दूसरी ओर सरकारी ढाँचे की समस्याएँ भी है।
4. शोषण - PVTG समुदाय के लोगो का शोषण विभिन्न प्रकार से ~~आज भी~~ आजादी के 70 वर्षो पश्चात भी मौजूद है साहूकार तथा बड़े किसान आज भी इनके प्रति शोषणकारी नजरिया रखते है तथा बंधुआ मजदूरी करवाते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. स्वास्थ्य के क्षेत्र मे PVTG विशेष रूप से संवेदनशील होते है तथा इनमे विशेष शारीरिक लक्षण भी होते है जो इन्हे विशेषता प्रदान करते है। अतः इनके लिए विशेष योग्य चिकित्सक तथा इनसे जुड़े शोध की आवश्यकता है।

6. आवास के अधिकार को प्रदान करने हेतु वन अधिकार अधि॰ 2006 पारित किया गया है परन्तु इसमे जटिलताओ के कारण प्रभावी रूप से लागू नही हो पाया है अतः इसमे उचित नियमो का संशोधन करके इन्हे आवास व कृषि तथा आर्थिक गतिविधियां (गौण उत्पाद) हेतु सहयोग प्रदान किया जाए।

7. संस्कृति व परंपराओ तथा ज्ञान का संरक्षण की आवश्यकता भी है क्योंकि आज भी इनका स्वरूप ऐसा ही है जो हजारो वर्षों पूर्व हमारे पूर्वजो का था। इनके द्वारा संचित प्रकृति के अनमोल ज्ञान का भी उपयोग समाजहित मे करना चाहिए।

चूंकि सरकार का लक्ष्य सबका साथ सबका विकास है अतः सरकार द्वारा आदिवासियो के संरक्षण व ज्ञान का प्रसार हेतु Traditional Knowledge Digital Library तथा आर्थिक संवृद्धि हेतु TRIFED के सहयोग से वनधन विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Highlight the challenges associated with the rising number of old age dependents in India. What can be done to deal with these challenges?

(150 words) 10

2011 की जनसंख्या के अनुसार भारत मे वृद्धो की संख्या लगभग 10 करोड़ से अधिक है।

चूँकि भारत अब स्थिर जनसंख्या की ओर बढ़ रहा है अतः स्वाभाविक है कि भारत को आने वाले समय में वृद्धो की समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। यही बात आर्थिक सर्वे - 2019-20 मे भी कही गई थी।

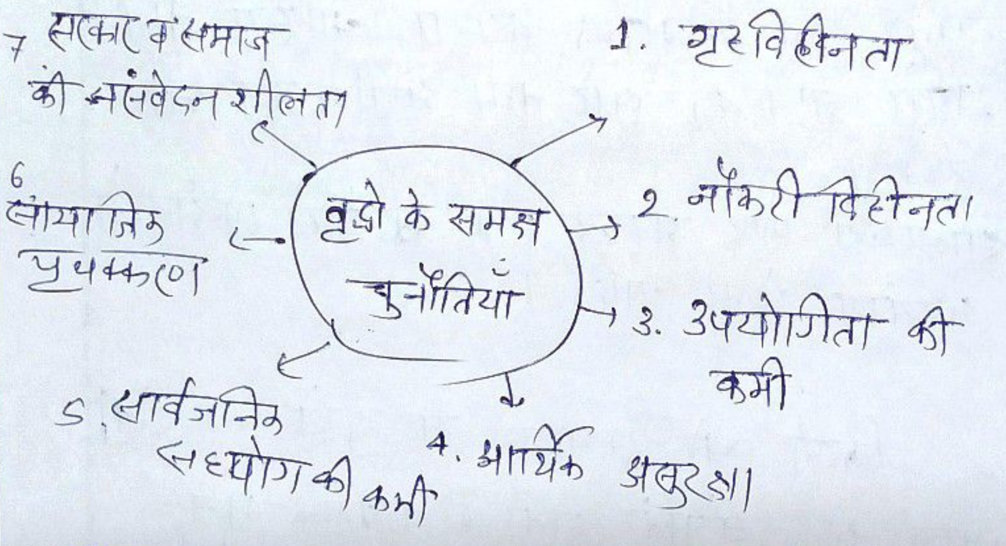

प्रयास: 1. राष्ट्रीय वृद्धजन नीति 2011
2. मेन्टेनेन्स अधिनियम
3. राष्ट्रीय वृद्धजन निधि
4. राष्ट्रीय वृद्धजन आयोग
5. वृद्धाश्रम खोलने हेतु सरकारी अनुदान

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान

1. प्रत्येक जिला अथवा संभाग स्तर पर वृद्धाश्रम खोला जाना चाहिए। साथ ही उनमे 'डे केयर' सेन्टर भी खुलने चाहिए ताकि दिन के समय आकर वृद्ध अपना समय बीता सके।
2. वृद्धो के लिए एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन होनी चाहिए
3. समाज मे वृद्धो के प्रति संवेदनशीलता बढ़नी चाहिए
4. इनके अनुभवो तथा ज्ञान का लाभ लेने हेतु उचित प्लेटफॉर्म का निर्माण करना चाहिए जहाँ वो अपने ज्ञान को बाँटे तथा अर्थोपार्जन भी कर सके।
5. 'सोसायटी फॉर ओल्ड एज' जैसे आन्दोलनो को सहयोग देना चाहिए।

6.
किसी भी समाज मे वृद्धो का होना उस समाज की संपत्ति होती है जिनके मन-मस्तिष्क मे 60-80 वर्षो का सामाजिक अनुभव होता है। भारत जैसे वैविध्यपूर्ण देश मे वृद्धो के अनुभवो का उपयोग सामाजिक हितो की पूर्ति मे करके इसे एक भारत-श्रेष्ठ भारत के रूप मे परिणत किया जा सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Highlight the impact of drug addiction on individuals, families and society. In this context, discuss the approach adopted by National Action Plan for Drug Demand Reduction. **(150 words) 10**

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत मे पिछले वर्ष की तुलना मे 2019 में 30% मादक पदार्थों के सेवन मे वृद्धि हुई है। हाल ही मे फिल्म उद्योग के कई नामी सितारो पर भी मादक पदार्थों के सेवन का आरोप लगा है

मादक पदार्थों का प्रभाव

स्वयं पर
- शारीरिक - मानसिक विकास मे बाधा
- धन का दुरुपयोग
- शक्तिहीनता से कार्य मे असमर्थता
- कई बीमारियों से ग्रसित होना
- नैतिकता तथा सामाजिक प्रतिष्ठा मे गिरावट
- मानसिक असंतुलन मे किसी के स्वार्थवश स्वयं का दुरुपयोग होना।

परिवार पर
- आर्थिक संकट उत्पन्न होना
- सामाजिक प्रतिष्ठा खत्म होना
- परिवार मे हिंसा अपराध का माहौल
- सामाजिक - मानसिक तनाव मे वृद्धि
- बीमारियो से मृत्यु पर भविष्य का संकट
- बच्चो के मानसिक सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव

समाज पर
- अनैतिकता का प्रसार
- सामाजिक तनाव मे वृद्धि
- अवैध व्यापार मे वृद्धि (तस्करी)
- स्वास्थ्य आदि सेवाओ पर खर्च मे वृद्धि
- कानून-व्यवस्था का कमजोर होना

इन्ही सब दुष्प्रभावो को मध्यनज़र रखते हुए सरकार ने 2019 मे 'मादक पदार्थों की ~~लिए राष्ट्रीय~~ मांग मे कटौती के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना' का निर्माण किया है। इसी कार्ययोजना मे सभी वर्गों (हितधारकों) के दृष्टिकोणो को अपनाया गया है।

A. अवैध व्यापार पर अकुंश लगाने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय तथा अन्तर्राज्यीय गिरोहो हेतु विशेष योजना व कार्यबल

B. शिक्षण संस्थाओ, अस्पतालो आदि पर विशेष ध्यान रखना।

C. शिक्षण सामग्री मे मादक पदार्थों के दुष्प्रभावो का वर्णन तथा सामाजिक जागरूकता का प्रसार

D. पंचायतो - नगरपालिकाओ, स्थानीय प्रशासन तथा स्वयंसेवी संगठनो के मध्य बेहतर सामंजस्य

E. कार्यपोजना का उचित क्रियान्वयन तथा रोगियो को व अपराधियों का पुनः समाज की मुख्यधारा मे प्रवेश।

किसी भी स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है कि वो मादक पदार्थों से मुक्त रहे तथा प्रशासन ऐसी अवैध गतिविधियो पर अकुंश लगाते रहे।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. A Uniform Civil Code is a much needed step for India to move forward in the 21st century. Critically analyse. (250 words) 15

संविधान के अनुच्छेद – 44 मे भारत सरकार को समान नागरिक संहिता का निर्माण करने के लिए अनुदेशित किया गया है।

समान नागरिक संहिता क्या है ?

भारत के समस्त नागरिको के लिए व्यक्तिगत कानून जैसे – विवाह, कॉन्ट्रैक्ट, तलाक, उत्तराधिकार आदि का समान होना। इसमे धर्म, जाति के आधार पर भेदभाव सामान्यतः नही होता है।

* गोवा एकमात्र राज्य है जहां के निवासियो के लिए समान नागरिक संहिता है

आवश्यकता क्यो ?

1. सभी मे समानता की भावना को विकसित करने हेतु
2. अनुच्छेद – 14 (समानता का अधिकार)
2. महिलाओ तथा बच्चो को समान अधिकार हेतु

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. अलगाववाद को समाप्त करने हेतु
4. कानूनो की जटिलता समाप्त करने हेतु
5. विधि मे धार्मिक प्रभाव कम करने हेतु
6. समावेशी न्याय सुनिश्चित करने हेतु
7. भेदभाव तथा रूढ़िगत परम्परा वाले कानूनो को समाप्त करने हेतु ।

हालाँकि इन सबके बावजूद समान नागरिक संहिता को लागू करने मे चुनौतियाँ भी कई है जैसे -

1. सभी धर्मों, परम्पराओ को साथ मे लेकर चलने की चुनौती।
2. अल्पसंख्यको तथा आदिवासी परंपराओ के संरक्षण सम्बन्धी चुनौती
3. राजनैतिक व सामाजिक विश्वास पैदा करने सम्बन्धी चुनौती।
4. न्यायिक प्रक्रिया पर अतिरिक्त बोझ बढ़ने की सम्भावना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

माना जा सकता है कि UCC एक समाज की आवश्यकता है जिस पर गंभीर चिंतन मनन तथा प्रत्येक स्तर पर बहस की जरूरत है जो कि इसके प्रारूप बनने पर ही संभव है।

मगर, इस प्रक्रिया के पूरे होने से पूर्व भी सामाजिक सुधारों को ~~कानूनी~~ कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से निरंतर बढ़ाते रहने की आवश्यकता है। हाल ही में तीन तलाक तथा उत्तराधिकार कानून में महिलाओं का अनिवार्य शामिल करने सम्बन्धी कानूनी सुधार प्रमुख है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. In India, geography, identity and a sense of deprivation have historically combined to drive regionalism. Elaborate. **(250 words) 15**

क्षेत्रवाद : किसी क्षेत्र विशेष के लोगो द्वारा ~~को~~ ~~कि~~ अपने क्षेत्रीय हितो को राष्ट्रीय हितो से ऊपर रखना।

भौगोलिक रूप से क्षेत्रवाद :

→ जब किसी क्षेत्रीय पहचान जोकि ~~(?)~~ वहाँ भौगोलिक कारणो से उत्पन्न हुई है, उसे भौगोलिक रूप से क्षेत्रवाद कहलाता है। जैसे राजस्थान गुजरात का पश्चिमी क्षेत्र थार के मरुस्थल की वजह से वहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ एक है कश्मीर घाटी, जो कि जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित प्रदेश का भाग है वो अलग भौगोलिक स्थितियों के कारण अलग पहचान रखता है।

→ भौगोलिक क्षेत्रवाद उत्पन्न होने के कारण मुख्यत: आर्थिक होते है जैसे वहाँ की जलवायविक परिस्थितियो मे कृषि, सिंचाई

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पशुपालन आदि की समस्याएं। साथ ही कई क्षेत्रों में उद्योग-धन्धों का न होना जिससे रोजगार सृजन न हो पाना भी एक गंभीर चुनौती है।

पहचान का क्षेत्रवाद :

→ किसी भी संस्कृति / सामाजिक मान्यता का दूसरी संस्कृति के समागम से उसे अपना अस्तित्व समाप्त होने का खतरा होता है इसे ही पहचान का संकट कहते हैं। इसी प्रकार के मुद्दे के आधार पर क्षेत्र विशेष अथवा संस्कृति विशेष के लोगों का एकत्रीकरण पहचान के क्षेत्रवाद को जन्म देता है।

→ वर्तमान में वैश्वीकरण के बढ़ते दायरे के कारण कई संस्कृतियाँ तथा भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं यही कारण है कि इन जनजातीय संस्कृतियों तथा भाषाओं के संरक्षण हेतु संविधान में कई विशेष प्रावधान अनु-342 तथा अनु०-350 के अन्तर्गत किए गए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वंचन (Deprivation) का क्षेत्रवाद

जब समाज/क्षेत्र का एक तबका/हिस्सा विकास की गतिविधियो या स्वास्थ्य, शिक्षा आदि मानको पर अत्यधिक आगे हो जबकि दूसरा वर्ग या तबका बहुत पीछे हो तो उस आधार पर उत्पन्न क्षेत्रीय भावना क्षेत्रवाद कहलाता है

→ हरित क्रांति के प्रथम चरण मे पंजाब, हरियाणा तथा प० उ०प्र० मे अच्छी प्रगति की लेकिन पूर्वी उ० प्र० तथा बिहार व बंगाल उतनी प्रगति नही कर सके। जिससे वहाँ के जनता मे क्षेत्रवाद की भावना का विकास हुआ।

क्षेत्रवाद किसी भी राष्ट्र मे सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकती है एक ओर यह विकास की दौड़ मे आगे बढ़ने का प्रेरणा स्रोत बन सकती है तो राष्ट्र की एकता और अखण्डता को चुनौती भी दे सकती है

अतः प्रशासन व सरकार को समय रहते समावेशी विकास के साथ-साथ ~~प्रति~~ स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक माहौल को भी विकसित करने की आवश्यकता है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. According to the WHO, health is a state of complete physical, mental and social well being. In this context, discuss emerging trends in mental health issues in India. (250 words) 15

WHO की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 तक भारत की 20 प्रतिशत जनसंख्या की किसी ना किसी रूप में मानसिक विकार से ग्रस्त है।

भारत मे मानसिक स्वास्थ्य की समस्या के कारण :-

→ अत्यधिक कार्यभार
→ बढ़ती गरीबी व पारिवारिक समस्याएं
→ सामाजिक बदलाव के दौर से गुजर रहे समाज मे बढ़ता सामाजिक तनाव
→ अंधविश्वास
→ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में कमी।
→ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सरकार व चिकित्सकीय समुदाय की उदासीनता
→ सामाजिक स्टिग्मा (Social Stigma)
→ परिवार तथा समाज से रोगी को अपेक्षित सहयोग न मिलना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान मे नई स्थितियाँ :

→ बढ़ते वैश्वीकरण से जागरूकता मे वृद्धि तो हुई है परन्तु मानसिक अवसाद व तनाव के मामलो मे वृद्धि हुई है।

→ कोविड-19 के कारण गिरती अर्थव्यवस्था, पारिवारिक तनाव ने भी मानसिक स्वास्थ्य के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न की है।

सरकारी प्रयास :

→ राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति - 2017 मे मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विशेष प्रयासो पर जोर दिया है।

→ एम्स द्वारा 2019 में एक विशेष सेल की स्थापना की है जो विभिन्न मनोचिकित्सको के नेटवर्क को जोड़ता है तथा निःशुल्क मनोरोगियो को परामर्श देता है

→ ~~इसके~~ मनोरोगो को राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 मे भी जगह दी गई है ताकि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

छात्र मानसिक तनाव प्रबंधन कर सके व भावनात्मक रूप से समाज के सभी उपागमों के तालमेल बना सके।

सुझाव

→ सामाजिक प्रयासों मे तेजी लानी होगी इस हेतु धर्मगुरुओं, सामाजिक संगठनों व सिविल सोसायटीज को साथ लाना होगा।

→ परिवार व समाज मे मनोरोगियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना होगा।

→ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध हो, इस हेतु इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

किसी भी समाज की संवेदनशीलता वहां के समाज द्वारा महिलाओं, सुभेद्य वर्गों जैसे - अल्पसंख्यकों, मनोरोगीयों आदि के प्रति अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण से प्रकट होती है इन्हें स्वस्थ माहौल देकर पुनः एक नया जीवन देकर आर्थिक विकास की धारा मे फिर से जोड़ा जा सकता है

14. What are the challenges associated with cultural diversity in India? How has India been able to accommodate and manage this cultural diversity?
(250 words) 15

भारत सांस्कृतिक विविधताओ से भरा हुआ एक उद्यान है जिसमे भिन्न-भिन्न तरह-तरह के पुष्पो के पौधे लगे हुए है।

चुनौतियाँ

1. सांस्कृतिक विविधताओ से उत्पन्न अलगाववाद को समाप्त कर समायोजन करने कि चुनौती
2. भाषीय क्षेत्रवाद ~~को समाप्त करना~~ Ex तमिल-हिंदी विवाद
3. भौगोलिक क्षेत्रवाद Ex. उत्तर पूर्वी भारत
4. वैचारिक विविधता का वैचारिक हिंसा मे बदलना।
5. जनजातिय अधिकारो का संरक्षण न हो पाना
6. ~~आ~~ खाने-पीने से सम्बंधित समस्याए।
Ex. – शाकाहार – मांसाहार विवाद.
7. त्यौहारो को लेकर उत्पन्न विवाद
Ex बंगाल मे मुहर्रम – दुर्गा पूजा
8.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन सभी चुनौतियों के बावजूद भारत में सामासिक एकता का स्वरूप न केवल राष्ट्रीय अपितु समाज के जमीनी स्तर पर भी मौजूद है

→ इसमें सर्वप्रमुख रोल निभाया है - भारत के संविधान ने।

→ संविधान ने सबको ~~अपने~~ को ~~सभी~~ सांस्कृतिक ~~विविधताओं~~ परंपराओं का संरक्षण करने का अधिकार दिया है
— अनु॰ - 25 से 28
अनु॰ - 29

→ संविधान ने अनु॰ -14 के माध्यम से सभी को समानता का अधिकार प्रदान किया है जो एक-दूसरे पर श्रेष्ठता या बड़त जैसे भाव को समाप्त करता है।

→ चूंकि भारत विविध धर्मों, संप्रदायों व रीतिरिवाजों से युक्त रहा है। इस कारण समाज की प्रकृति स्वयं में समरसता की है। जो एक-दूसरे को

समायोजित तथा आदर भावना देने वाली है

→ प्रशासनिक सतर्कता ने भी कई बार चुनौतियों से भरे कामों को शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम दिया है। जिसमे राजनीतिक नेतृत्व की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

→ शिक्षा द्वारा उत्पन्न किए गए सामाजिक मूल्यों ने समाज को साथ मे रहने की एक नई दिशा प्रदान की है।

→ आजादी के संघर्ष तथा नेताओ जैसे - महात्मा गांधी, पं नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आजाद आदि के प्रेरणास्पद संस्मरण भी सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण मे महत्वपूर्ण स्तम्भ रहे है

" एक सत_ बहुधा वदन्ति ''

जैसी संस्कृतिपूर्ण राष्ट्र की एकता अखण्डता तभी सम्भव है जब सभी वर्ग, सम्प्रदाय, एक साथ मिलकर विकास की गंगा मे स्वयं को प्रवाहित करे और अन्तिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The high incidence of poverty combined with multiple deprivations among poor is the most important development challenge for India. Discuss.

(250 words) 15

गरीबी एक ऐसी अवस्था है जिसमे व्यक्ति या समुदाय के पास वित्तीय संसाधनों का इतना अभाव होता है कि वह न्यूनतम संसाधन, जो कि जीवन जीने के लिए आवश्यक है, इनकी भी अनुपलब्धता है।

भारत मे 2014 मे बनी रंगराजन समिति की रिपोर्ट के अनुसार शहर मे न्यूनतम 1407 रु तथा ग्रामीण क्षेत्र मे न्यूनतम 972 रु से कम कमाने वाला गरीबी की श्रेणी मे है

गरीबी : एक अभिशाप :

→ गरीबी न केवल वित्तीय अभावो के रूप मे होती है अपितु इसके परिणामस्वरूप अनेकानेक सामाजिक - सांस्कृतिक बुराइयां भी समाज का अंग बन जाती है।

1. सामाजिक अशांति : समाज मे अमीर - गरीब के वर्ग बनने से सामाजिक तनाव तथा अपराधो मे वृद्धि होती है जो कानून - व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. शिक्षा - गरीबी के कारण शिक्षा का प्रसार गरीब परिवारों के बच्चों तक नही हो पाता परिणामस्वरूप गरीबी व आर्थिक संसाधनो की इनकी एक चक्रीयता बनी रहती है।

3. स्वास्थ्य - स्वास्थ्य लाभ प्राप्त नही होता, जीवन प्रत्याशा इसमे कमी, महंगे इलाज से पुनः गरीबी मे प्रवेश।

4. पेयजल व स्वच्छता -

5. कुपोषण की समस्या

6. भुखमरी का संकट

7. आवास न होने का संकट

8. अपराधो मे वृद्धि

9. नशे आदि ~~स्वभावों~~ बुराइयों मे युवाओ का प्रवेश

10. धार्मिक रूढ़िवादिता का बढ़ना

11. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव होना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. शहरीकरण की समस्या बढ़ना
13. कृषि पर भार मे वृद्धि
14. पारिवारिक तनाव मे वृद्धि
15. आर्थिक क्षमता मे कमी < देश, परिवार (family)
16. राज्य पर अतिरिक्त बोझ बढ़ना।

सरकार द्वारा गरीबी से निपटने हेतु आजादी के बाद से ही निरंतर कार्यक्रम चलाए है।
जैसे – दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना।
प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना
इंदिरा गांधी ग्रामीण स्वरोजगार योजना

इन्ही प्रयासो की बदौलत MPI (Multi poverty index के अनुसार 2005 – 2015 के मध्य 27 लाख लोगो को गरीबी से बाहर निकाला है।

परन्तु आज भी 20% से अधिक जनसंख्या गरीबी से पीड़ित है अतः इसके विरुद्ध सभी हितधारको को साथ लेकर कार्य करने की आवश्यकता है ताकि इससे भारत को मुक्त किया जा सके।

16. Highlighting the population growth trend of India in the last few decades, identify the key contributing factors behind this trend. **(250 words) 15**

भारत की जनसंख्या

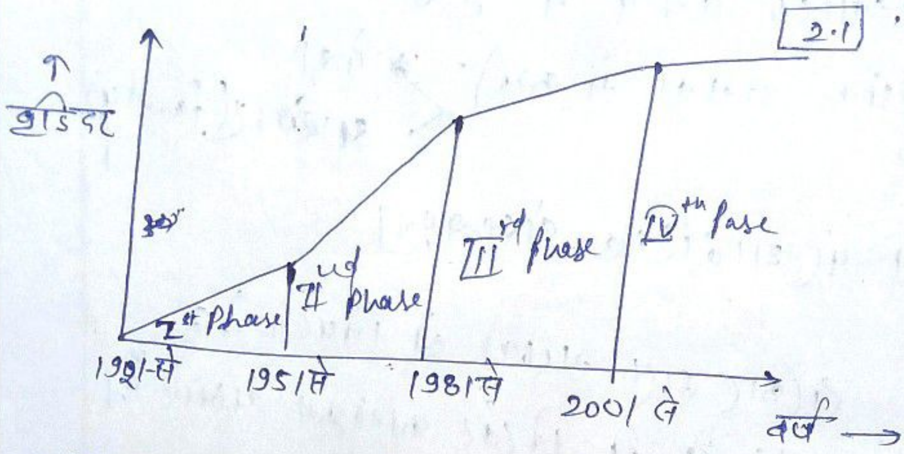

Ist Phase : उच्च मृत्यु दर
उच्च जन्म दर
(संतुलन की स्थिति)

IInd Phase - उच्च जन्म दर
अपेक्षाकृत कम मृत्यु दर
(परिणाम : वृद्धि होती रही)

IIIrd Phase : उच्च जन्म दर
निम्न मृत्यु दर
(उच्च वृद्धि दर → जनसंख्या विस्फोट)

IVth Phase - निम्न जन्म दर
निम्न मृत्यु दर
(स्थिर जनसंख्या)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Contribution factors

1. शिक्षा – जनसंख्या वृद्धि का मुख्य कारण जन चेतना की कमी है। जो कि शिक्षा के प्रसार से ही संभव है

2. चिकित्सा – उच्च मृत्यु दर होने से अगली पीढ़ी की ~~अभाव~~ जीवित रहने की संभावना बनी रहे इस हेतु अधिक संख्या में बच्चे पैदा किए जाने लगे।

3. गरीबी - गरीबी की वजह से अधिक बच्चे पैदा किए जाने लगे क्योंकि अधिक हाथों से अधिक आय बढ़ेगी।

4. धार्मिक अंधविश्वास व रीति रिवाज – कई धार्मिक परंपराओं के अनुसार गर्भपात अथवा गर्भनिरोधकों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए ऐसी धारणा से भी जनसंख्या में वृद्धि होती है

5. सरकार की नीतियां – सरकार द्वारा अपनाई गई कठोर नीति (दो बच्चों की - भारत मे) (One child policy – china मे) से जनसंख्या मे कमी आई है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान जनगणना की प्रक्रिया अभी (2021) शुरू होने से है। मगर पूर्वानुमानों के आधार पर भारत की जनसंख्या लगभग स्थिर (2.1) TFR (Total fertility Rate) को प्राप्त कर लेगा।

अधिकांश राज्य भी 2.1 से कम TFR की दर को हासिल कर लेंगे।

→ लिंगानुपात ~~1991 के~~ 2001 से 2011 में 922 से 944 हो गया था लेकिन 0-5 वर्ष तक के शिशुओं का लिंगानुपात 920 के आसपास ही था।

→ जनसंख्या नीति 2000 ने भी 2045 तक स्थिर जनसंख्या प्राप्त करने का लक्ष्य तय किया है।

• जनसंख्या नियंत्रित करने के साथ ही जनसंख्या अधिशेष Demographic dividend का लाभ उठाने हेतु व उसे सतत बनाए रखने हेतु एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

17. Caste in India has maintained its political significance despite dilution of its social character. Discuss with relevant examples. (250 words) 15

"भारत मे जाति वो है जो कभी जाती नही है।"

कई सार्थक प्रयासो के बावजूद जाति व्यवस्था भारतीय समाज मे वर्तमान मे भी किसी ना किसी रूप मे विद्यमान है।

उत्तर वैदिक काल से ही प्रारंभ हुई जातीय व्यवस्था उत्तरोत्तर कठोर बंधनो मे जकड़ती चली गई, मगर सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलनो के बूते इसकी बेड़ियाँ कमजोर जरूर हुई है। महात्मा गाँधी, डा. भीमराव अम्बेडकर, पेरियार तथा महात्मा फुले जैसे सामाजिक चिंतको ने शोषण और अन्याय का प्रतीक बनी इस व्यवस्था पर कारी चोट की जिसके निम्न कारण है -

1. संविधान की मूल भावना
   - समानता - स्वतंत्रता और बंधुत्व
2. संवैधानिक मूलाधिकार
   - अनु.17 अस्पृश्यता का उन्मूलन
3. कानूनी अधिकार _ नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम

4. तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण से टूटते रीति रिवाज और कुप्रथाएं।

5. बढ़ते वैश्वीकरण से प्राप्त आर्थिक वृद्धि के समान अवसर।

6. सरकारी नीतियों जैसे कि आरक्षण, छात्रवृत्ति आदि से प्रोत्साहन मिलना

7. सामाजिक - धार्मिक नेतृत्व द्वारा सामाजिक समरसता का प्रचार करना

Ex - मन्दिर प्रवेश आन्दोलन
- एक मन्दिर, एक कुआँ - एक श्मसान

8. बढ़ती एक-दूसरे पर निर्भरता

9. अन्तर्जातीय विवाहों का प्रचलन बढ़ना

10. सामाजिक एकता व राजनैतिक जागृति का प्रसार होना।

11. शिक्षा की दर में वृद्धि।

ये सभी घटनाक्रम ऐसे है जिनसे जातिगत भेदभाव में कमी तो आई है अपितु समरसता की भावना मे भी वृद्धि आई है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बावजूद इन सबके राजनीतिक जगत मे चुनाव आयोग तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को धता बताकर जातिगत चुनावी समीकरणो का भरपूर उपयोग किया जाता रहा है।

हाल ही मे सम्पन्न बिहार चुनाव मे जातीय आधार पर बने दल अपने क्षेत्र विशेष मे उल्लेखनीय प्रदर्शन कर पाते है जबकि अन्य क्षेत्र मे वो पिछड़ जाते है।

टिकट वितरण से लेकर पार्टी की संगठन संरचना तक मे जातीय समीकरणो को साधा जाता है। देखा जाता है कि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सदैव अल्पसंख्यक वर्ग से ही तथा सामाजिक कल्याण विभाग का मंत्री अनुसूचित जनजाति वर्ग से ही चुना जाता है।

जाति के आधार पर ही राजनीतिक दल गठबंधन भी करने लगे है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण उत्तर प्रदेश और बिहार के 2017 व 2020 के विधानसभा चुनाव है

हालांकि भारतीय जनमानस ने प्रगतिशीलता का कई बार परिचय देते हुए जातिआधारित समीकरणो को खारिज किया है तथा विकास और सुरक्षा के मुद्दो पर मतदान किया है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. It can be argued that caste like social stratification is a feature present across religious distinctions in India. Discuss. **(250 words) 15**

भारत में जातीय व्यवस्था एक पदानुक्रम है जो कि चतु:वर्णो का ही एक विस्तृत रूप है। जाति का आधार वंशानुगत रूप से किया जाने वाला व्यवसाय है जिसमें अछूत (अस्पृश्यता) जैसी कुरीतियाँ भी कालान्तर में जुड़ती चली गई।

भारत में मूल रूप में हिन्दू धर्म में जाति व्यवस्था पाई जाती है, परन्तु सूक्ष्म रूप से देखने पर यह व्यवस्था सभी धर्मों में मिलती है।

1. इस्लाम धर्म – इस्लाम धर्म वैसे तो समानता पर आधारित है परन्तु यहाँ भी व्यवसाय के आधार पर कई जातियाँ है जैसे –
- पन्दारा, जो कि रजाइयो आदि का काम करते है
- तेली जो तेल सम्बन्धी काम करते है
- जुलाहा जो कपड़ा सिलते या बुनते है।

इनके अतिरिक्त वर्गीय आधार पर भी इस्लाम में विभाजन है जैसे – सैय्यद मुस्लिम, उच्चवर्गीय मुस्लिम है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जबकि धर्म परिवर्तन करके बने मुस्लिम निम्न वर्गीय।

इसाई-धर्म : इसाई धर्म मे जो मूल रूप से इसाई थे वे उच्च वर्गीय है तथा उच्च जातियो से (ब्राह्मण - अय्यर अथवा नम्बूदरीपाद) इसाई बने है वे भी उच्च वर्गीय है। जबकि दलित लोगो को दलित इसाई माना जाता है। उनमे अस्पृश्यता आदि जैसी कुप्रथाएं आज भी विद्यमान है

बौद्ध-धर्म

अधिकांश बौद्ध धर्म के अनुयायी अनुसूचित जाति से आते है। इन्ही के वर्गो मे अन्तः रूप मे आज भी जातीय विभेदन मौजूद है।

सिक्ख धर्म - पंजाब मे जाट सिक्ख जो कि उच्च वर्ग के है जट सिक्ख तथा दलित सिक्ख या मजहबी सिक्ख को निम्न वर्ग का माना जाता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

राजनैतिक- आर्थिक- सामाजिक - धार्मिक परिवर्तनो से जाति व्यवस्था निरंतर कमजोर हुई है परन्तु किसी ना किसी रूप मे आज भी बनी हुई है। अन्य धर्मों की अपेक्षा इसकी दृढ़ता हिन्दू धर्म मे सर्वाधिक कठोर है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. What are some of the problems faced by migrants in urban areas in India? Suggest some policy reforms to address these problems. **(250 words) 15**

हाल ही में कोरोना महामारी के दौरान शहरी क्षेत्रों में प्रवास कर रहे प्रवासियों को लॉकडाउन तथा रोजगार समाप्त हो जाने से कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।

→ रोजगार की अनिश्चितता की समस्या
(अधिकांश प्रवासी असंगठित क्षेत्र में (75-80%) कार्य करते हैं।)

→ मूलभूत सुविधाओं तक पहुँच का संकट
- पेयजल
- आवास
- स्वच्छता
- राशन किट
- बच्चों की शिक्षा
- स्वास्थ्य देखभाल

→ क्षेत्रीय भावना व भेदभाव का शिकार होना
Ex. 2017-18 में गुजरात व महाराष्ट्र में उत्तर भारतीयों को भेदभाव का सामना करना पड़ा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ श्रमिक नियमो का उल्लंघन करके कार्य करवाना।

→ कार्यस्थल पर आवश्यक सुविधाओं का अभाव

→ सरकारी योजनाओ से वंचन।

<u>सुझाव</u>:

→ सभी राज्यो की सरकारे तथा केन्द्र सरकार को मिलकर <u>प्रवासी श्रमिक नीति</u> बनानी चाहिए।

→ श्रमिको का रजिस्ट्रेशन व पंजीकरण हेतु ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन हेतु कार्यालय स्थापित होने चाहिए।

→ इनके Data के लिए Portal होना चाहिए जहाँ से वो रोजगार सम्बन्धी जानकारी, योजनाओ व अधिकारो से जुड़ी जानकारी एकत्रित कर सके।

→ श्रम मन्त्रालय द्वारा इसकी सतत निगरानी करनी चाहिए।

→ सभी राज्यो मे समावेशी विकास हो इस हेतु उद्योगो व सेवा केन्द्रो का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकेन्द्रीकरण होना चाहिए ताकि प्रवासन की दर धीमी हो।

→ श्रमिकों की कार्यकुशलता मे वृद्धि हो इस हेतु उनकी Reskilling करनी चाहिए।

→ नियोक्ता व श्रमिक के मध्य संपर्क बिंदु स्थापित करना चाहिए।

→ श्रमिको के परिवारो के कल्याण हेतु विस्तृत दिशानिर्देशों से युक्त सुविधाएँ विकसित होनी चाहिए।

→ श्रमिको के भविष्य के लिए प्रोविडेंट फण्ड ग्रेच्युटी आदि कि सुविधाएँ होनी चाहिए।

शहरी केन्द्रो मे प्रवासियो हेतु संरचनात्मक तथा नीतिगत परिवर्तनो की आवश्यकता है जिससे वे और अधिक अच्छे वातावरण मे अपनी कार्यक्षमता का उपयोग कर सके। इसी से ही बेहतर गुणवत्ता के उत्पादो का उत्पादन देश मे सम्भव है। इस हेतु विभिन्न हितधारको को साथ मे बैठकर एक प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Highlight the need and challenges of mainstreaming vocational education in India. What measures have been taken by the government in this regard? (250 words) 15

21वीं सदी की महत्वपूर्ण चुनौती भारत में बेरोजगारी और गरीबी है, जिसे ध्यान में रखते हुए घोषित नई शिक्षा नीति - 2020 में व्यावसायिक शिक्षा को शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

आवश्यकता क्यों ?

1. देश मे skilled श्रमिकों की आपूर्ति हेतु
2. बढ़ती बेरोजगारी
3. जनसांख्यिकीय लाभांश को प्राप्त करने हेतु
4. शिक्षा बने रोजगार का साधन
5. परंपरागत रोजगार के उपायो को मजबूती प्रदान करना।
6. वर्तमान समय की ~~आवश्यक~~ मांग को ध्यान मे रखते हुए जन आकांक्षाओ की पूर्ति हेतु
7. मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने तथा ~~वोकल फॉर~~ वोकल फोर लोकल की मांग पूर्ति हेतु।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियाँ

→ आवश्यक इन्फ्रास्ट्रक्चर की अनुपलब्धता

→ नीतियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित न करना

→ परंपरागत दृष्टिकोण से युक्त शिक्षा व्यवस्था

→ तकनीकी व नवाचार युक्त माहौल का अभाव

→ पाठ्यक्रम तथा लैब्स का निरंतर अपडेशन न होना

→ सामाजिक अन्तर्द्वन्द का होना जैसे - कुछ कार्यों को जाति विशेष या हीन भावना से देखना।

सरकार द्वारा उपाय :

→ सरकार द्वारा विशेष ध्यान देने हेतु Ministry of skill नाम से एक मंत्रालय का गठन किया है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ शिक्षा नीति - 2019 मे विद्यालय तथा समय पूर्व भी कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था की है। जैसे- कुछ कोर्सेज मे - 8 वी पास
— " — = साक्षर
— " — 10 वी पास

→ प्रायर लर्निंग को रिकग्नाइज किया है जिससे परंपरागत ज्ञान को फॉर्मेलाइज रूप से सामने लाया जा सके।

→ जन शिक्षण संस्थान, ITI, स्किल सेंटर ~~तथा बैंक~~ को विकसित किया जा रहा है तथा इन्हे वैश्विक प्रतिस्पर्धाओ मे भी भाग दिलाया जा रहा है

→ रोजगार परक शिक्षा से बेहतर नागरिक का निर्माण हो इस हेतु नीतिगत निर्णय लेकर उन्हे जमीनी धरातल पर उतारने की आवश्यकता है। इसी से एक सशक्त तथा युवा भारत अपने जनांकिकीय लाभांश (Demographic Dividend) का पूरा लाभ उठा पाएगा।